# PROGRAMME PROJECT REPORT

## कार्यक्रम परियोजना विवरण

# DSPR

**VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA**
**School of Humanities and Social Science**
**DSPR**

## THE UNIVERSITY

Vardhman Mahaveer Open University, Kota (Earlier Kota Open University, Kota) was established by an Act of the Rajasthan State Legislative Assembly in 1987 with a view to achieve the following objectives:

- Democratizing higher education by taking education to the doorsteps of students.
- Providing access to quality education to all those who seek it, irrespective of age or formal qualification.
- Offering need based academic programmes by giving professional and vocational orientation to the courses.
- Promoting and developing distance education in the State of Rajasthan.

**Special Features of the Open and Distance Education System:**

- Relaxed entry requirements.
- Provision of equal opportunities of admission to people from all walks of life.
- Provision of learning at one's own pace, place and time.
- Cost effective educational operations.
- Self instructional printed course material.
- Network of students support services throughout the State of Rajasthan.
- Face to face and distance counseling wherever and whenever needed.
- Continuous evaluation through internal home assignments.
- Provision of term-end examinations.

**Academic Programmes**

The University offers both short term and long term programmes leading to Certificate, Diploma or Degree covering conventional as well as innovative programmes. These programmes have been developed by VMOU. They are launched with a view to fulfil the student needs for:

- Improvement of skills.
- Acquisition of professional qualifications.
- Continuing education and professional development at work place.
- Self-enrichment.
- Diversification of knowledge etc.

**Credit System**

The University follows the Credit System for its programmes. Each credit amounts to 30 hours of study containing all learning activities. All management courses are six credit courses. Thus, a six credit course involves 180 hours of study. Completion of an academic programme (Degree or Diploma) requires successful clearing of both the home assignments and the term end examinations of each course in a programme.

## Programme Project Report – PPR

**Name of the School: School of Humanities and Social Science**
**Name of the Programme: DSPR**

| S. N. | Parameter | Details |
|---|---|---|
| 1 | Programme mission & objectives | • To provide information about various types of social evils and problems prevailing in Rajasthan and create awareness about the ill effects of them.<br>• To create awareness about girl child related problems such as female feticide, child marriage, health of the girl child etc. To provide information about the ill effects of illiteracy etc. in girls.<br>• To provide information about the causes and consequences of backwardness of women and to remove them.<br>• To make aware of the state of intoxication in the state and to make available information about the ill effects of addiction on the individual and society.<br>• To give information about the laws passed regarding de-addiction and to prevent social problems in the state, police, media and NGOs. To make you aware of the role of. |
| 2 | Relevance of the program with VMOU's Mission and Goals | As per the VMOU's Mission i.e.<br>To promote educational opportunities in the related areas with academic excellence. It strives for inclusive growth of administrative knowledge in society through innovative pedagogy. |
| 3 | Nature of prospective target group of learners: | Senior Secondary 10 + 2 pass or equivalent from a recognized board or<br>BAP / BCP / BSCP passed from any open university or Higher Secondary pass from Rajasthan Board of Secondary Education, Ajmer till 1989 or 18 years of age. Minimum 1 year and maximum 4 year |
| 4 | Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning | Requirement of well-trained & qualified personnel, Who can impart knowledge and expertise in the above area, open from all socioeconomic strata of population.<br>To fulfill these needs, VMOU as State Open University of Rajasthan, plays important role by providing<br>• Quite relaxed entry rules for admissions and equal opportunity of admission to all<br>• Flexible and cost effective education to enhance their productivity |

| | | |
|---|---|---|
| | mode to acquire specific skills and competence | skills while continuing regular employment. |
| 5 | Instructional Design | **Programme Structure:** |

| क्र. .सं (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | महिला प्रस्थिति: विविध आयाम | DSPR - 01 | 6 |
| 2. | सामाजिक समस्याएँ एवं व्यसन नवीन प्रवृत्तियाँ एवं विकृत्तियाँ : | DSPR - 02 | 6 |
| 3. | सामाजिक समस्याएँ राज्य :, प्रशासन एवं सामाजिक परिवर्तन | DSPR - 03 | 6 |
| 4. | व्यावहारिक एवं स्वजनित प्रस्तुतीकरण प्रायोगिक एवं व्यावहारिक कार्य * (अपनी क्षेत्रीय समस्याओं में से किसी एक पर प्रतिवेदन) | DSPR - 04 | 12 |

DSPR-04 पाठ्यक्रम में विद्यार्थी को अपने क्षेत्र से संबंधित किसी सामाजिक समस्या जैसे कन्या भ्रूण हत्या, वृद्ध व्यक्तियों की समस्या, बालिका शिक्षा की समस्या, विधवा महिलाओं की समस्या, नशे की समस्या, नशे के कारण व्यक्ति, परिवार, समाज पर पड़ने वाले दुष्परिणाम आदि में से किसी भी एक समस्या पर 20—25 पेज की एक रिपोर्ट बनाकर परीक्षा नियंत्रक के यहां सत्रांत परीक्षा से एक माह पूर्व जमा करवानी होगी।

Eligibility: Senior Secondary 10 + 2 pass or equivalent from a recognized board or
BAP / BCP / BSCP passed from any open university or Higher Secondary pass from Rajasthan Board of Secondary Education, Ajmer till 1989 or 18 years of age. Minimum 1 year and maximum 4 year

**अध्ययन पद्धति (Study Pattern)**

इस विश्वविद्यालय में शिक्षण पद्धति पारंपरिक विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाई जा रही कक्षा अध्ययन पद्धति से भिन्न है। खुला विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति स्व-अधिगम पर आधारित है। यह एक अध्येता-केन्द्रित पद्धति (Learner Centre) है। इस कारण इस पद्धति में विद्यार्थियों पर सक्रिय अध्ययन का उत्तरदायित्व अधिक होता है। इस बहुआयामी मुक्त शिक्षण-अध्ययन पद्धति में निम्नलिखित तत्त्व सम्मिलित हैं:-

- भारत एवं विश्व के विश्वविद्यालयों के योग्यतम शिक्षकों द्वारा तैयार की गई उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्य सामग्री प्रत्येक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को प्रदान की जाती है।
- स्नातकोत्तर उपाधि, स्नातक उपाधि एवं कुछ अन्य चयनित कार्यक्रमों में सतत् मूल्यांकन की दृष्टि से सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य की व्यवस्था। इससे विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययनरत और अभ्यासरत रहने की प्रेरणा मिलती है।
- दृश्य-श्रव्य माध्यमों द्वारा योग्यतम विद्वानों के व्याख्यान एवं विचार।
- अध्ययन केन्द्रों पर अकादमिक परामर्शदाताओं के साथ सप्ताहांत विचार विमर्श की कक्षायें।
- फोन-इन-रेडियो और काउंसलिंग माध्यम द्वारा उत्तम गुणवत्ता के परामर्श-सत्र।

- समय समय पर आयोजित छात्र समस्या समाधान शिविर द्वारा विद्यार्थी एवं शिक्षक में संवाद।
- विश्वविद्यालय के अध्यापकों द्वारा सत्र पर्यन्त शंका समाधान शिविर का आयोजन |
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड विभिन्न विषयों के प्रश्न बैंक के माध्यम से स्वयं परीक्षा हेतु अभ्यासरत रहने का प्रयास।
- एस० एल० एम० (SLM) प्रारूप में प्राप्त पाठ्यसामग्री के साथ साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध पाठ्यसामग्री का डिजिटलाइज्ड रूप और वीडियो व्याख्यान की सुविधा भी विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) में उपलब्ध। https://online.vmou.ac.in/Admission_Statusway.aspx

**स्व-अध्ययन सामग्री (Self Learning Material):** विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों को त्वरित रूप से मुद्रित स्व-अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को विभिन्न इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक इकाई के प्रारम्भ में इकाई की रूपरेखा दी गयी है जिसमें इकाई के उद्देश्य एवं प्रस्तावना के अतिरिक्त सम्पूर्ण जानकारी छोटे-छोटे एवं शीघ्र समझ में आ सकने वाले अनुच्छेदों में है। इसमें जगह-जगह पर स्वगृह कार्य प्रश्न एवं निर्धारित स्थान पर अभ्यास प्रश्न भी दिये गये हैं, जिससे विद्यार्थी अपनी प्रगति को स्वयं जाँच सकता है। प्रत्येक इकाई के अंत में सारांश, शब्दावली एवं कुछ उपयोगी पुस्तकों की सूची भी दी जाती है। वर्तमान में अध्ययन सामग्री का डिजिटाइजेशन कर ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा समस्त विषयों से सम्बद्ध वीडियो व्याख्यान (Vedio Lecture) तैयार करवाये गये है जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in एवं उसके यू टयूब चैनल vmou online पर उपलब्ध है।

**अकादमिक कालदर्शिका (Academic Calender)**

| **गतिविधियां** | **प्रवेश सत्रजुलाई -** | **प्रवेश सत्रजनवरी -** |
|---|---|---|
| प्रवेश प्रारम्भ की तिथि | 1 जुलाई से 31 अगस्त | 1 जनवरी से 28/29 फरवरी |
| क्षेत्रीय केंद्र एवं अध्ययन केंद्र परिवर्तन की अंतिम तिथि | प्रवेश की अंतिम तिथि से 30 दिनों में | |
| पाठ्य सामग्री प्रेषण की अंतिम तिथि | 15 अक्टूबर | 15 अप्रैल |
| विद्यार्थियों का आमुखीकरण | अक्टूबर माह में | अप्रैल माह में |
| परामर्श /शिक्षण कक्षाएं * | 15 अक्टूबर से 30 अप्रैल | 15 अप्रैल से 31अक्टूबर |
| प्रायोगिक परीक्षाएँ * | 16 अप्रैल से 30 मई तक | 16 अक्टूबर से 20 दिसम्बर तक |
| आंतरिक गृह कार्यप्रोजेक्ट / जमा करवाने की तिथि | जिन्हें जून परीक्षा में ) मई तक 15 (सम्मिलित होना हैं | जिन्हें ) नवम्बर तक 15 दिसंबर परीक्षा में (सम्मिलित होना हैं |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | सैद्धान्तिक परीक्षा का केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन प्रस्तुत (केवल ऑनलाइन) करने की तिथि | 1 अप्रैल से 30 अप्रैल (जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी) | 1अक्टूबर से 31 अक्टूबर (दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी) |
| | | प्रायोगिक परीक्षा का केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन प्रस्तुत (केवल ऑनलाइन) करने की तिथि* | 1 अप्रैल से 15 अप्रैल (जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी) | 1अक्टूबर से 15 अक्टूबर (दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी) |
| | | वेबसाइट पर परीक्षा अनुमति पत्र जारी करने की तिथि | 25 मई | 15 दिसम्बर |
| | | परीक्षा प्रारंभ होने की तिथि | 1 जून | 21 दिसम्बर |
| | | वेबसाइट पर परिणाम घोषित करने की तिथि | परीक्षा समाप्त होने के पश्चात् लगभग 60 कार्य दिवसों के भीतर | |
| | | अंकतालिका प्रेषित करने की तिथि | परीक्षा परिणाम जारी होने के पश्चात् लगभग 20 के भीतर | |
| | | पुनर्मूल्यांकन के आवेदन की तिथि (केवल ऑनलाइन) | परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् 15 दिन के भीतर | |
| | | उपाधि प्रेषण | प्रशासनिक निर्णय के अनुसार | |
| | | परीक्षा फार्म भरने की तिथि डिफाल्टर्स (केवल ऑनलाइन) एवं श्रेणी सुधार केवल ) (ऑफलाइन | 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक | 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक |
| | | परीक्षा फार्म भरने की तिथि डिफाल्टर्स प्रायोगिक परीक्षा के लिये *(केवल ऑनलाइन) | अप्रैल से 115 अप्रैल तक | अक्टूबर से 1 15 अक्टूबर तक |
| 6 | Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation | The university invites applications online in July and January sessions every year. Admissions are usually completed between July 1 to August 31 for July session and January 1 to February 28/29 for January session as per guidelines received from UGC. In both sessions the university issues press releases in major newspapers of Rajasthan state.<br>For online admission, the student can apply through e-Mitra or on the university's website www.vmou.ac.in itself. For admission of all subjects or complete information regarding programs is available in prospectus on university website www.vmou.ac.in.<br>Eligibility: Senior Secondary 10 + 2 pass or equivalent from a recognized board or<br>BAP / BCP / BSCP passed from any open university or Higher Secondary | | |

pass from Rajasthan Board of Secondary Education, Ajmer till 1989 or 18 years of age.

**Fee Structure:**

| Prog Code | Programme | Total Fee | Course Fee | Reg. Fee | Development Fee | Practical Camp Fee | Practical Exam Fee | Theory Exam Fee | Postal Charges |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| DSPR | DSPR | 2000 | 900 | 100 | 100 | 0 | 0 | 800 | 100 |

**Evaluation and Examination Pattern:**

**Term-end Examination: परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :** न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रथम तीन प्रश्न पत्रों की तीन घंटे की लिखित सत्रांत परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी - 60 % एवं अधिक, द्वितीय श्रेणी - 48 % या अधिक एवं 60 % से कम

उत्तीर्ण - 36 % या अधिक एवं 48 % से कम

The marks obtained in internal/home assignment and term end examination shall be shown separately in the mark sheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

First Division - 60% and above

Second Division - 48% and above but below 60%

Pass - 36% and above but below 48%

The marks obtained in internal/home assignment and term end examination shall be shown separately in the mark sheet.

**Letter Grade Chart for Calculating CGPA/YGPA**

| लेटर ग्रेड Letter Grade | | ग्रेड प्वाइंट Grade Point | समग्र समतुल्य अंक) M 100 अंकों में से ( Equivalent overall Marks M (out of hundred) |
|---|---|---|---|
| O | Outstanding | 10 | 90≤M≤100 |
| A+ | Excellent | 9 | 80≤ M<90 |
| A | Very Good | 8 | 70≤M<80 |
| B+ | Good | 7 | 60≤ M<70 |
| B | Above Average | 6 | 55≤M<60 |
| C+ | Average | 5.5 | 50≤M<55 |
| C | Below Average | 5 | 45≤M<50 |
| $D^+$ | Marginal | 4.5 | 40≤M<45 |
| D | Pass | 4 | 36≤ M<40 |
| NC | Not Completed | 0 | 25≤M<36 |

| | | |
|---|---|---|
| | | <table><tr><td>E</td><td>Poor</td><td>0</td><td>10≤M<25</td></tr><tr><td>H</td><td>Very Poor</td><td>0</td><td>0≤M<10</td></tr></table><br>यदि विद्यार्थी NC, E, H ग्रेड प्राप्त करता है तो उसे NC (Not Completed) माना जायेगा तथा उसे पुन: परीक्षा देनी होगी ।<br>निम्नलिखित प्रकार से विद्यार्थी का वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत (Yearly Grade Point Average (YGPA)) तथा संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (Cumulative Grade Point Average (CGPA)) की गणना की जायेगी।<br>YGPA हेतु विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट को उस विषय के क्रेडिट अंक से गुणा करके योग को कुल ग्रेड प्वाइंट से भाग देने पर प्राप्त होगा अर्थात् $YGPA = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$ जहां पर $C_i$ क्रेडिट अंक हैं तथा $G_i$ उस विषय में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है।<br>10 Point स्केल पर CGPA की गणना निम्न सूत्र द्वारा की जायेगी<br>$CGPA = \frac{\text{Cumulative points secured in all passed courses}}{\text{Cumulative earned credits}} = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$<br>YGPA तथा CGPA की गणना दशमलव के बाद दो अंकों तक की जायेगी। |
| 7 | Requirement of the laboratory support Requirement of the Library Resources | Contents of this programme does not require any laboratory support<br>Provision of Reference book: The Institution provides the provision of reference book to students who want to get extra knowledge on a particular subject.<br>Guidance by Course coordinator through telephone email & chat rooms<br>Counseling Classes: VMOU conducts counseling classes at the end of the year to help<br>Students interact with the faculty and get their queries and resolve doubts. |
| 8 | Cost estimate of the programme and the provisions | Cost of preparation of self learning material (SLM), printing and supply, delivery through Counseling and conducting of examination and evaluation through full proof mechanized system is followed as per laid down guidelines of the university. The cost is incurred as per guidelines approved by statutory bodies of the university for curriculum design, course preparation, printing, postal dispatch, counseling sessions evolution and examination along with certification of the degree |
| 9 | Quality assurance mechanism and expected programme outcomes | Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) is monitoring, improving and enhancing effectiveness of the program through the following:<br>• Annual academic audit<br>• Feedback analysis for quality improvement<br>• Standardization of learning resources<br>• Periodic revision of program depending upon the changing trends in the above area |